



**WEST BENGAL STATE UNIVERSITY**

B.A. Honours 6th Semester Examination, 2021

**HINADSE05T-HINDI (DSE3/4)**

Time Allotted: 2 Hours

Full Marks: 50

*The figures in the margin indicate full marks.*

*Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.*

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5
  - (क) तुलसीदास को 'हिंदी की जातीय परंपरा का कवि' किसने कहा है ?
  - (ख) किस आलोचक के अनुसार तुलसीदास 'कलिकाल का वाल्मीकि' हैं ?
  - (ग) 'दूलह राम सीय दुलहीरी' यह पंक्ति तुलसीदास के किस काव्यग्रंथ की है ?
  - (घ) तुलसीदास की भक्ति का दार्शनिक मत किस नाम से जाना जाता है ?
  - (ङ) तुलसी के अनुसार कलिकाल का श्रेष्ठ वक्ता कौन होगा ?
  
2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15
  - (क) गुरु सिष्य बधिर अंध का लेखा। एक न सुनइ एक नहिं देखा।।  
हरइ सिष्य धन सोक न हरई। सो गुरु घोर नरक महुं परई।।  
मातु पिता बालकन्हि बोलावहिं। उदर भरे सोई धर्म सिखावहिं।।
  - (ख) खेती न किसानको, भिखारीको न भीख, बलि,  
बनिकको बनिज, न चाकरको चाकरी।  
जीविका बिहीन लोग सीदयमान सोच बस,  
कहैं एक एकन सों 'कहाँ जाई, का करी ?'
  - (ग) जाके प्रिय न राम बैदेही।  
सो छाँड़िए कोटि बैरी सम जदयपि परम सनेही।।  
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषन बंधु, भरत महतारी।  
बलि गुरु तज्यो, कंत ब्रज-बनितनि, भए मुदमंगलकारी।।

(घ) घर कीन्हें घर जात है, घर छाँड़े घर जाइ।

तुलसी घर वन बीच ही राम-प्रेमपुर छाइ।।

(ङ) भए बरन संकर कलि भिन्नसेतु सब लोग।

करहिं पाप पावहिं दुःख भय रुज सोक बियोग।।

3. "तुलसीदास को जो अभूतपूर्व सफलता मिली उसका कारण यह था कि वे समन्वय की विशाल बुद्धि लेकर उत्पन्न हुए थे।" इस कथन पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

तुलसीदास की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। 15

4. "क्योंकि कविता हृदय का व्यापार है, दिमाग को खुजलाकर उसका आवाहन नहीं किया जा सकता।" – इस कथन के आलोक में तुलसी की काव्य-कला पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

तुलसीदास के भाषागत वैशिष्ट्य पर सोदाहरण विचार कीजिए। 15

**N.B. :** *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.*

—x—